AH-II/Sanskrit/201C-3/19

B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2019
SANSKRIT
Paper : 201C-3
(Poetics and Literary Criticism)
Course ID : 20911

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Group-A

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कश्चिदेकः समाधेयः। 10×1=10

(क) उदाहरणयोगेन साहित्यदर्पणोक्तं महाकाव्यस्य लक्षणं पर्यालोचनीयम्।

(ख) को नाम अर्थोपक्षेपकः? कतिविधः हि सः? उदाहरणयोगेन व्याख्यायताम्।

(ग) किं पताकास्थानम्? तस्य स्वरूपं भेदाँश्च अवलम्ब्य निबन्धो लेख्यः।

2. संक्षेपेण कस्याप्येकस्य उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 5×1=5

(क) 'प्रकरणम्' आश्रित्य टीका लेख्या।

(ख) 'पूर्वरङ्गम्' आश्रित्य टीका लेख्या

Group-B

3. देवनागरीलिपिमाश्रित्य संस्कृतभाषया कस्याप्येकस्य अलंकारस्य सोदाहरणं लक्षणं व्याख्यायताम्। 5×1=5

रूपकम्, अनुप्रासः।

4. देवनागरीलिपिमाश्रित्य संस्कृतभाषया कस्याप्येकस्य अलंकारं निरूपयत। 5×1=5

(क) सर्वस्वं हर सर्वस्य त्वं भवच्छेदतत्परः।
नयोपकारसाम्मुख्यमायासि तनुवर्तनम्।।

(ख) क्षीणः क्षीणोऽपि शशी भूयो भूयोऽभिवर्धते सत्यम्।
विरम प्रसीद सुन्दरि! यौवनमनिवर्ति यातं तु।।

5. देवनागरीलिपिमाश्रित्य संस्कृतभाषया कस्याप्येकस्य *युगलस्य* अलंकारयोर्मध्ये पार्थक्यं प्रदर्शयत। 5×1=5

(क) दीपकं तुल्ययोगिता च

(ख) सन्देहः भ्रान्तिमान् च

Group-C

6. केषाञ्चन *पञ्चानाम्*उत्तराणि लिखत। *द्वयोरु*त्तरमवश्यं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। 2×5=10

(क) वामनमते कति रीतयः? काः च ताः?

(ख) अभिनयभेदाः नामग्रहं लिख्यन्ताम्।

(ग) नाट्यशास्त्रे भरतमुनिना अलंकाराणां कति भेदाः दर्शिताः?

(घ) विश्वनाथमते काव्यस्य किं स्वरूपम्?

(ङ) आनन्दवर्धनाचार्यस्य अलङ्कारग्रन्थः कः? तस्य ग्रन्थस्य मुख्या टीका का?

(च) कुन्तकमते वक्रोक्तेः किं स्वरूपम्?

(छ) काव्यप्रकाशकर्तुः आचार्यमम्मटस्य मते काव्यस्य किं प्रयोजनम्?

———